

### 13. आ रही रवि की सगरी

#### 1] लघु उत्तरीय प्रश्न

अ) सूर्य का पथ किससे सजा है?

→ सूर्य का पथ कलियों और धूलों से सजा है।

ब) कवि क्यों ठिठक जाता है?

→ कवि चंद्रमा को देखकर ठिठक जाता है क्योंकि रात के समय जो चंद्रमा राजा था अब वह सूरज के निकलने पर बिखारी के समान खड़ा है।

क) मैदान को छोड़कर कौन भाग बचे है और क्यों?

→ मैदान को छोड़कर तारों कि फौज भाग बची है। क्योंकि सुबह सूरज के आने पर रात की कालिमा हट जाती है और सूरज का प्रकाश पूरे आसमान में फैल जाता है।

ख) 'राह का बिखारी' किसे कहा गया है?

→ 'राह का बिखारी' चंद्रमा को कहा गया है जो सुबह होने पर अपना तारों का खूजाना गवाँ चुका होता है। उसकी रेखानी भी कम हो जाती है।

#### 2] दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।

1] कवि ने पक्षियों को किसके समान कहा है?

→ कवि ने पक्षियों को चारण के समान कहा है। चारण, वीरों की प्रशंसा में गीत गाते थे। उसी प्रकार पक्षी सूरज के आने पर उसकी प्रशंसा के गीत गाते हुए सुबह-सुबह कलबल करते हैं।

2] शवि कि प्रशंसा में कौन गीत गाते हैं?  
और क्यों?



→ शब्द की प्रशंसा में पक्षी गीत गाते हैं।  
क्योंकि सुख होने पर सबसे पहले पक्षी ही  
जगते हैं और उनका कलरव चारों तरफ सुनाई  
पड़ने लगता है। लगता है जैसे वे स्वर्ग  
की प्रशंसा में अपने ही स्वर में गीत गा रहे हैं।

3] इस कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना  
चाह रहे हैं?

→ इस कविता के द्वारा कवि प्रकृति की सुंदरता  
को वर्णित करना चाह रहे हैं। कवि के अनुसार  
जिस प्रकार सुख होने पर रात का आँधीघारा  
छूट जाता है, उसी प्रकार व्यक्ति की सफलताओं  
का उजियाला कष्टों के आँधरे को दूर कर  
देता है।